
Shri Tyagarajadashaka Stuti

श्रीत्यागराजदशकस्तुतिः

Document Information

Text title : Shri Tyagarajadashaka Stuti

File name : tyAgarAjadashakastutiH.itx

Category : shiva, dashaka, stuti

Location : doc_shiva

Author : shrImUlayogIndra

Proofread by : Aruna Narayanan

Description/comments : From shrInaTarAjastavamanjarI

Latest update : July 10, 2022

Send corrections to : Sanskrit@cheerful.com

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

Please help to maintain respect for volunteer spirit.

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

February 3, 2023

sanskritdocuments.org

Shri Tyagarajadashaka Stuti

श्रीत्यागराजदशकस्तुतिः



नीलकन्धर भाललोचन भालयन्द्रशिरोमणौ
कालकाल कपालमाल छिमालयायलजापते ।
शूलदोर्धर मूलशङ्कर मूलयोगिवरस्तुत
त्यागराज ध्यानिये कमलापुरीश्वर पाछि माम् ॥ १ ॥

डारकुण्डलमौलिकङ्कण किङ्किणीकृतपन्नग
वीरभङ्ग कुबेरमित्र कलत्रपुत्रसमावृत ।
नारदादि मुनीन्द्रसन्तुत नागयर्मकृताम्बर
त्यागराज ध्यानिये कमलापुरीश्वर पाछि माम् ॥ २ ॥

भूतनाथ पुरान्तकातुल भुक्तिमुक्तिसुभ्रष्ट
शीतलामृतमन्दमारुत सेव्यदिव्यकलेवर ।
लोकनायक पाकशासन शोकवारण कारण
त्यागराज ध्यानिये कमलापुरीश्वर पाछि माम् ॥ ३ ॥

शुद्धमद्दलतालकाडलशङ्भदिव्यरवप्रिय
नृत्तगीतरसज्ञ नित्यसुगन्धिगौरशरीर भो ।
थारुडार सुरासुराधिपपूजनीयपदाम्बुज
त्यागराज ध्यानिये कमलापुरीश्वर पाछि माम् ॥ ४ ॥

घोरमोडमलान्धकारदिवकाकलाभिलशोकलन्
अकनायक पाकशासनपूजिताङ्घ्रिसरोरुड ।
पापतूलडुताशनाभिललोकजन्मसुपूजित
त्यागराज ध्यानिये कमलापुरीश्वर पाछि माम् ॥ ५ ॥

सर्पराजविभूष यिन्मय हृत्सभेश सदाशिव
नन्दिभृङ्गिगणेशवन्दितसुन्दराङ्घ्रिसरोरुड ।
वेदशेभरसौधसुग्रह नादरुप ध्याकर
त्यागराज ध्यानिये कमलापुरीश्वर पाछि माम् ॥ ६ ॥

पङ्कजासनसूत वेदतुरङ्ग मेरुशारासन
भानुयन्द्ररथाङ्ग भूरथ शेषशायिशिलीमुष ।
मन्दासाभिलीकृतत्रिपुरान्तकृद् भडवानल
त्यागराज दयानिधे कमलापुरीश्वर पाळि माम् ॥ ७ ॥

दिव्यरत्नमडासनाशय मेरुतुल्यमडारथ
छत्रयामरबर्द्धिर्द्धसमूढ दिव्यशिरोमणे ।
नित्यशुद्ध मडावृषध्वज निर्विकल्प निरञ्जन
त्यागराज दयानिधे कमलापुरीश्वर पाळि माम् ॥ ८ ॥

सर्वलोकविमोहनास्पदतत्पदार्थ जगत्यते
शक्तिविग्रह भक्तदूत सुवर्णवर्ण विभूतिमन् ।
पावकेन्दुदिव्यकराक्ष परात्परामितकीर्तिमन्
त्यागराज दयानिधे कमलापुरीश्वर पाळिमाम् ॥ ९ ॥

तात मल्लतपापवारणसिंह दक्षभयङ्कर
दारुकावनतापसाधिपसुन्दरीजनमोहक ।
व्याघ्रपादपतञ्जलिस्तुत सार्धयन्द्र शशैलज
त्यागराज दयानिधे कमलापुरीश्वर पाळिमाम् ॥ १० ॥

श्रीमूलाभिधयोगिवर्यरचितां श्रीत्यागराजस्तुतिं
नित्यं यः पठति प्रदोषसमये प्रातर्मुहुस्सादरम् ।
सोमास्कन्दकृपावलोकनवशादिष्टानिडात्वाऽन्तिमे
कैलासे परमे सुधाम्नि रमते पत्या शिवायाःसुधीः ॥ ११ ॥

इति श्री श्रीमूलयोगीन्द्रकृता त्यागराजदशकस्तुतिः समाप्ता ।

Proofread by Aruna Narayanan

—
Shri Tyagarajadashaka Stuti

pdf was typeset on February 3, 2023

—

Please send corrections to sanskrit@cheerful.com

